Government Hydro Engineering College Bandla, Bilaspur, classes shifted to its permanent campus at Bandla Bilaspur from temporary campus earlier at Rajiv Gandhi Government Engineering College (RGGEC), Kangra.

News Clips:-

कल नगरोटा बगवां से बंदला शिफ्ट होंगे इंजीनियरिंग कालेज के विद्यार्थी

हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज इस वर्ष पूरी क्षमता से चलने को तैयार

जागरण संवाददाता, बिलासपुर : देश के पहले हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज को अब पूरी क्षमता के साथ पहली सितंबर से शुरू किया जा रहा है। कालेज की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2017 में रखी थी। उसी वर्ष कांगड़ा जिले के नगरोटा बगवां में अस्थायी तौर पर कालेज की कक्षाएं शुरू कर दी थी। पिछले वर्ष नए भवन में प्रथम वर्ष के छात्रों की कक्षाएं शुरू कर दी थी। अब यह पहला मौका है जब नगरोटा बगवां में पढ़ाई करने वाले बच्चे भी इस कालेज परिसर में पहुंचकर पढ़ाई कर सकेंगे। अब इस परिसर में एक साथ लगभग 500 विद्यार्थी शिक्षा हासिल करेंगे, जिसकी सारी तैयारियां कर ली हैं।

चौथे वर्ष की कल से शुरू होंगी कक्षाएं : इस सत्र से बंदला में प्रथम, द्वितीय और तृतीय और चतुर्थ वर्ष की कक्षाएं इसी कालेज में लगेंगी। इन दिनों कालेज में प्रथम वर्ष के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया चल रही है। अब तक दूसरे राउंड की काउंसलिंग में कई बच्चे दाखिला भी ले चुके हैं। कालेज में प्रथम वर्ष की कक्षाएं 16 सितंबर, द्वितीय व तृतीय वर्ष की पहली सितंबर और चतुर्थ वर्ष के छात्रों की कक्षाएं 12 सितंबर से शुरू कर दी जाएंगी। वहीं वर्ष 2017-18 और 2018-19 में शुरू किया बैच अब पासआउट हो चुका है।

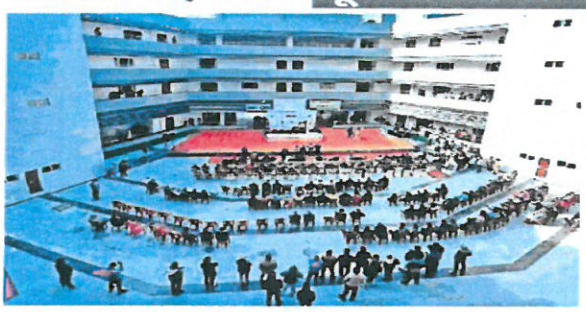

प्रधानमंत्री करेंगे शुभारंभ : कालेज का शुभारंभ पिछले वर्ष कर दिया गया था, लेकिन उस समय पहले बैच की कक्षाएं बिठाई गई थी। अब कालेज में सभी कक्षाओं को शुरू किया जा रहा है। इसे पूरी क्षमता के साथ शुरू करने के साथ ही इसका उद्घाटन भी प्रधानमंत्री मोदी से करवाने की योजना है। बताया जा रहा है कालेज का आनलाइन माध्यम से प्रधानमंत्री शुभारंभ करेंगे। एम्स बिलासपुर और हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बंदला के निर्माण की दिल्ली स्थित पीएमओ से मानिटरिंग की जा रही थी। देश के दोनों महत्वपूर्ण संस्थान बनकर तैयार हैं।

बंदला स्थित हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज • जागरण आर्काइव

- **500 विद्यार्थी एक साथ एक परिसर में करेंगे पढ़ाई**
- **कालेज स्टाफ ने नगरोटा बगवां से बिलासपुर पहले ही कर लिया है शिफ्ट**

इस सत्र में भी सिविल और इलेक्ट्रिकल ट्रेड ही रहेंगे। दोनों ट्रेड में हर कक्षा में 60 से 62 प्रशिक्षु होंगे। इनमें 120 छात्र सीधे और आठ सीटें कंपनी के तहत होंगी। नगरोटा बगवां से सारा फैकल्टी स्टाफ कालेज में आ चुका है। छात्रों के लिए कालेज में हास्टल, मैस और कैंटीन की सुविधा उपलब्ध है। कालेज संचालन के लिए प्रबंधन ने तैयारी पूरी कर ली है। सभी हास्टल तैयार हैं। अन्य भवन और लैब भी तैयार है। इस सत्र में लगभग 500 प्रशिक्षु प्रशिक्षण हासिल करेंगे।

–विवेक चंदेल, निदेशक तकनीकी शिक्षा हिमाचल प्रदेश।

वाई–फाई से लैस होगा हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बंदला

सभी विद्यार्थियों को कालेज में ही छात्रावास की सुविधा मिलेगी

जागरण संवाददाता, बिलासपुर : हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बंदला बिलासपुर को आधुनिक तकनीक से लैस किया जा रहा है। यह कालेज अपने पूरे परिसर समेत आगामी कुछ दिन में पूरी तरह वाई-फाई सुविधा से जुड़ने जा रहा है। सरकार की एजेंसी इस सुविधा को यहां सुचारू रूप से चलाएगी। छात्रों को हास्टल में भी वाई-फाई की सुविधा मिलेगी। बुधवार को कालेज में समीक्षा बैठक के दौरान मौजूद तकनीकी शिक्षा विभाग के निदेशक ने कालेज को आगामी सप्ताह तक वाई फाई सुविधा से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कालेज स्टाफ की रिहायश, हास्टल ब्लाक-बी और अन्य जरूरी कार्य को दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए।

सुविधाओं का भवन : हाइड्रो कालेज बंदला का अकादमिक भवन ● जागरण

- समीक्षा बैठक के दौरान तकनीकी शिक्षा विभाग ने दिए निर्देश
- अन्य जरूरी कार्य दिसंबर तक पूरे करने होंगे

छात्रों को पूरी सुविधा के साथ मिलेगा छात्रावास

हाइड्रो कालेज बंदला महाविद्यालय की कक्षाएं अभी तक कांगड़ा जिला के राजीव गांधी राजकीय अभियांत्रिकी संस्थान नगरोटा बगवां में लगाई जा रही थी। अब यह कक्षाएं यानी पहली सितंबर से बंदला में स्थानांतरित होने जा रही हैं। कांगड़ा में पढ़ाई करने वाले बच्चों को अब तक किराये के कमरे या पीजी लेकर रहना पड़ रहा था। इससे उनको बाहर न केवल भारी भरकम किराया देकर कमरा लेना पड़ रहा था लेकिन अब सभी छात्रों को कालेज परिसर में ही छात्रावास होगा। छात्रावास के साथ मैस, कैंटीन, लाइब्रेरी, कामन रूम, हर कमरे में फर्नीचर से लेकर सभी सुविधाएं होंगी। इससे विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी और उनकी सुविधाओं में भी इजाफा उनकी दिक्कतों को दूर कर देगा।

> हाइड्रो कालेज बंदला को सरकारी एजेंसी एचपी स्टेट इलेक्ट्रानिक डेवलपमेंट कारपोरेशन की ओर से वाई-फाई सुविधा से जोड़ा जाएगा। बुधवार को एनपीसीसी व पीएसके कंस्ट्रक्शन कंपनी के पदाधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की गई। बैठक में सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए कि स्टाफ की रिहायश के लिए बनने वाले ब्लाक जल्द तैयार किए जाएं। बैठक में पीएसके कंपनी ने बताया कि कालेज का 75 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। कुछ ब्लाक दिसंबर तक पूरे कर दिए जाएंगे।
>
> **-विवेक चंदेल,** निदेशक, तकनीकी शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश।